JAL-516-517 Seat No._____

B. A. (Sem. IV) Examination

June - 2022

Hindi : CE-403

(New Course)

(१) : मध्यकालीन हिन्दी कविता

(२) : मीडिया लेखन कला (वैकल्पिक)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

(१) : मध्यकालीन हिन्दी कविता

१ स-संदर्भ व्याख्या कीजिए । १८

(क) जसोदा हरि पालने झुलावै ।
हलरावैं, दुलरावै, मल्हावैं, जोई-सोई कछु गावैं ।
कबहुँ पलक हरि मूँदि लेत हैं, कबहुँ अधर फरकावैं ।
सोवत जानि मौन ह्वैकै रहि, करि-करि सैन बतावै ।
इहिं अंतर अकुलाई उठे हरि, जसुमति मधुरैं गावैं ।
जो सुख सूर अमर मुनि दुलर्भ, सो नंदन-भामिनि पायैं ॥

अथवा

'अबिंगत-गति कछु कहन न आवे ।
ज्यौं गूँगा मीठे फल कौ रस अंतरगत ही भावै ।
परम स्वाद सबही सु निरंतर अमीत तोष उपजावै ।
मन-बानी का अगम-अगोचर, सो जानै जो पावै ।
रुप-रेख-गुन-जाति जुगति बिनु निरालंब कित धावै ।
सब विधि अगम बिचारहिं तातें सूर सगुन-पद गावै ।'

(ख) नख–सिख–रुप–भरे खरे तउ माँगत मुसकानि ।
तजत ही लोचन लालची ये ललचौंही बानि ॥

अथवा

अति सूधो सनेह को मारग है
जहाँ नेक सयानय बाँक नहीं ।
तहाँ साँचे चलैं तजि आपुनपौ
झझकैं कपटी जे निसाँक नहीं ॥

२ सूरदास की भक्ति–भावना पर सोदाहरण चर्चा कीजिए । १७

अथवा

२ हिन्दी साहित्य की भक्तिकालीन कृष्ण–काव्यधारा की सामान्य प्रवृत्तियाँ पर प्रकाश डालिए । १७

३ टिप्पणी लिखिए : (किन्हीं **दो** पर) १८

(१) सूर के उद्धव ।
(२) बिहारी की भक्ति–भावना ।
(३) घनानंद के काव्य का भावपक्ष ।
(४) बिहारी की वाग्विदग्धता ।

४ कविवर बिहारी के जीवन और कृतित्व पर प्रकाश डालिए । १७

अथवा

४ घनानंद के काव्य में निरुपित वियोग–शृँगार पर सोदाहरण चर्चा कीजिए । १७

सूचना : सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

१ लेखन कार्य के मूल तत्वों की चर्चा कीजिए । १८

अथवा

१ लेखन कार्य के विविध आयामों पर प्रकाश डालिए । १८

२ रेडियो का सामान्य परिचय देकर उसके कार्यो की चर्चा कीजिए । १७

अथवा

२ रेडियो लेखन एवं उसकी प्रस्तुतीकरण पर प्रकाश डालिए । १७

३ टेलिविजन के प्रमुख प्रकारों की चर्चा कीजिए । १८

अथवा

३ टेलिविजन के धारावाहिक लेखन पर प्रकाश डालिए । १८

४ उद्घोषणा के प्रमुख गुणों की चर्चा कीजिए । १७

अथवा

४ उद्घोषणा से क्या अभिप्राय है ? उसके लेखन बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए । १७

---

* J A L - 5 3 7 - 5 3 8 *

JAL-537-538 Seat No._____

B. A. (Sem. IV) Examination

June - 2022

Hindi : CE-404

(New Course)

(१) : कम्प्युटर और इन्टरनेट (वैकल्पिक)

(२) : हिन्दी नाट्य साहित्य

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

(१) : कम्प्युटर और इन्टरनेट (वैकल्पिक)

सूचना : सभी प्रश्न अनिवार्य है ।

१ कम्प्युटर की महत्ता एवं उसके भाषा-कौशल पर प्रकाश डालिए । १८

अथवा

१ कम्प्युटर की परिभाषा एवं उसकी सुविधाओं पर प्रकाश डालिए । १८

२ कम्प्युटर के प्रमुख भागों की चर्चा कीजिए । १७

अथवा

२ कम्प्युटर की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । १७

३ कम्प्युटर की वायरस की समस्याओं को उजागर कीजिए । १८

अथवा

३ कम्प्युटर के प्रमुख प्रकारों की चर्चा कीजिए । १८

४ पत्रकारिता के माध्यम के रूप में उसके बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए । १७

अथवा

४ इन्टरनेट का सामान्य परिचय देकर उसकी प्रक्रिया पर प्रकाश डालिए । १७

१ ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : १८

(अ) 'आदमी नहीं, केवल जिम्मेदार । (हँसता है) मैं प्रतिभावान व्यक्ति हूँ... सबमें विशेष हूँ... यहाँ तक कि नौकरी में भी विशेष... इसके आगे बुनियाद का ही भूल गये ।'

अथवा

(अ) 'इस जगह को जानता हूँ, जहाँ आप खड़े हैं । मैं यह भी साबित कर सकता हूँ कि आपने बाई एलेक्शन में बेईमानी की है । (सन्नाटा) चलिए टेलीफोन उठाइए... उठाइए... उठाइए...।'

(आ) 'राजनीति एक दर्शन थी, मनुष्य को श्रेष्ठ और सुन्दर बनाने के लिए तुम्हारी आज की राजनीति उसी मनुष्य को बरबाद कर सिर्फ वही सत्ता और लग्जरी हथियाने का शोर्टकट है ।'

अथवा

(आ) 'पर आपकी इच्छा और आज्ञा थी कि आपका लड़का आई.ए.एस. में आए । वह कलेक्टर – डिस्ट्रिक मजिस्ट्रेट हो । अब यह बात भी पूरी हो गई ।'

२ 'मिस्टर अभिमन्यु' नाटक आधुनिक व्यक्ति की त्रासदी और विडम्बना की तत्सम अभिव्यक्ति है– चर्चा कीजिए । १७

अथवा

२ 'मिस्टर अभिमन्यु' नाटक का कथानक अपने शब्दों में लिखकर उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । १७

३ नाट्य–कला के तत्वों के आधार पर 'मिस्टर अभिमन्यु' नाटक की समीक्षा कीजिए । १८

अथवा

३ 'मिस्टर अभिमन्यु' नाटक के राजन की चारित्रिक विशेषताएँ पर प्रकाश डालिए । १८

४ लक्ष्मीनारायण लाल के जीवन का संक्षिप्त परिचय देकर उसकी रंगमंचीयता पर प्रकाश डालिए । १७

अथवा

४ 'मिस्टर अभिमन्यु' नाटक की शीर्षक की सार्थकता सिद्ध करते हुए उसकी भाषाशैली पर प्रकाश डालिए । १७